

प्र. उपस्थित आचार्य-पुत्राचार्य उपस्थित
राज्यी नारी को पार्श्व पर लीकृत किया
जाता है। गवाहन उपस्थित गवाह के
ऊपर अमान्यी वारह और या अफिम नाली
प्राप्त नहीं हुआ है। गवाह सं. 1 के 5 पुत्र
अधिक और 100/- के तलख देकर
परावली वारह साक्षर पुत्री पिता 3/10
को पेश है।

